	V-190/CR.J.(e)
11-6L-11-94 SUMMERRY TRIAL UNDER SECTION 263 OR 264 OF TH	PROCEDURE CODE, 1898
11-6L-11-94 CHARLERY TRIAL UNDER SECTION 263 OR 264 OF TH	Classplaint or report made on
the court of Con	plaint or report made on
se No F. 6./16 Talan sin	
व्यागिक माजस्ट्रियम	
Name and address of the Complainant 1184; Ger Aus	
Name, parentage, caste and ac	dress of accused
Name, parentage,	200:00
श्रमें सिंह तीमा ८० ह	Joll KC,
वापाय पिट ला । ८	· C. 1111 = 188 8 188 188
0 700	EJ-SKICV
RIO EMOJ 9/1901 3	
rio Gii	
The offence complaint of its alleged commission	N A
The offence complaint of its dilles	THE DESTRICT
	1911
indicated the state of the stat	The state of the s
EM S FIND MASS 4 D	किसी वैध अनुज्ञा पत्र कको अपने आधिपत्य में रखा
जो मogo आबकारी अधिनियम की घारा 34 के अत	ति दण्डनीय अपराघ होकर इस न्यायालय पर
जो म0प्र0 आबकारी अधिनियम की धारा 34 पर जार	
संज्ञान में है।	
	And the second s
मार्की महाठ क्रिक्टिक इत	2 mess it sensus the nine.
The second of th	
	Taking the state of the state o
The second secon	
र्ण महाराष्ट्रिको म समा	The same of the sa
Tiple Tiple State	(if any)
The plea of the accused and his examiination	
अपराध स्वीकार है माफ किया जाये।	1.0 - 01
ित्तपरिं स्वीकार ह	े विवासण ज्या न्याहरा
Starring	

The Offence proved, if any and in case cluse(d), clause(f) clause(g) or subsection(i) of section 260 the value of the property in respect of which of which the offence has been committed.

(नि र्ण य) (आज दिनांक <u>6-6-)</u> को घोषित)

1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
Q (
1. आरोपी/गण के विरुद्ध धारा
के आजोग हैं।
2. आरोपी/गण ने उक्त आरोप स्वेच्छापूर्वक स्वीकार किया/किए हैं।
2. आरोपी/गण न उक्त आराप (पर्कार्य के आहार पर आरोपी/गण को
2. आरोपी/गण न उत्त अराप (पंजारूप) 3. आरोपी/गण की स्वेच्छा अभिस्वीकृति के आधार पर आरोपी/गण को
की विश्व के लिए के
के लिए न्यायालय उंडने तक की संजी ९५ जाराना
को 1/00 / अर्थदण्ड से दिण्डत किया जाता है। अर्थदण्ड अदा ना करने की दशा
को //००/— अथदण्ड स दाण्डत पिया जाता है।
में 15 दिवस का साधारण कारावास पृथक से भुगतना होगा।
a A T T T A A A A A A A A A A A A A A A
4. प्रकरण में जब्दाशुदा अर्जिस्ट्रिया प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त
BAID BUTES THE
निर्णय खुले न्यायालय में हस्ता० व मेरे निर्देश पर टाईप किया।
दिनांकित कर घोषित किया गया।
प्रितानी प्राप्ति ।
न्यासिक मिलिस्ट्रेंट प्रथम हाणा न्यासिक मिलिस्ट्रेंट प्रथम हाणा
न्यायिक भिजिरहेटी प्रथम हैं भी त्या बिक्स किसारे मिण्डा में श्रेणी
गोहद, जिला-भिण्ड
अवसवा स्थायार है जाक विवार जाते ।
103/2- las culph-18 Timber Enors